प्रस्तावना

''भारत में बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय सारणियां '' नामक प्रकाशन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की देयताओं, व आस्तियां (एसेट्स एंड लयबिलिटिज), आय व्यय तथा अनर्जक आस्तियां (एनपीए) पर डेटा देता है। इसमें विभिन्न स्थानों पर स्थित कार्यालयों, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों को दिए अग्रिम और कुछ अन्य मानकों पर भी डेटा है। प्रकाशन में शामिल अन्य मुख्य वर्ग जिन पर डेटा है, इस प्रकार है : (i) आस्तियों व देयताओं के प्रमुख आइटमों की परिपक्वता संरचना (मैच्युरिटि स्ट्रक्चर), (ii) मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियों (बीएसआर) I और II के आधार पर संकलित जमा राशियों और ऋण पर ब्याज दर (iii) क्षेत्र–वार और उद्योग वार (सेक्टर और इंडस्ट्री के अनुसार) सकल बैंक ऋण (ग्रॉस बैंक क्रेडिट) (iv) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, शहरी सहकारी बैंको के सकल बैंक कारोबार पर मासिक डेटा इसे अधिक यूज़र फ्रेंडली बनाने के लिए प्रश्नोत्तर सुविधा (क्वीयरी फ़ैसिलिटि) के साथ सीडी–रॉम फॉर्मेट में भी उपलब्ध कराया गया है। (v) राज्य सहकारी बैंको के एसेट्स और लाबिलिटिज़ का राज्य–वार वितरण, अगल–अलग (इंडिविजुअल) और बैंक ग्रुप दोनो पर डेटा हैं ।

यह इस प्रकाशन–श्रृंखला का 63 वां खंड है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 1941 में प्रकाशित ''भारत और बर्मा में बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय सारणियां'' इसका पहला खंड है जिसमें वर्ष 1939 से 1940 तक का डेटा है।

प्रकाशन का यह वृहत् कार्य भारतीय रिज़र्व बैंक के सूचना और सांख्यिकी प्रबंध विभाग के बैंकिंग अध्ययन प्रभाग में किया गया है। निदेशक वी. बहुगुणा के नेतृत्व में निकले इस प्रकाशन की कोर टीम में सहायक परामर्शदाता डॉ. एन. के. उन्नीकृष्णन, अनुसंधान अधिकाणी श्री. भास्कर बिराजदार, सहायक प्रबंधक श्रीमती शोभा परब, श्री. अश्विन पटेल तथा डेटा प्रोसेसिंग असिस्टेंट श्रीमती प्रियंका वनमाली हैं। सहायक प्रबंधक श्री. सतीश चौधरी, श्रीमती एफ. के. काजी और टेब्यूलेटर ऑपरेटर स्मिता मिस्किटा व सॉर्टर ऑपरेटर लता घरत का सहयोग भी रहा।

प्रभारी अधिकारी डॉ. ए. के. राय और परामर्शदाता डॉ. बलवंत सिंह ने इस प्रकाशन में अपना मूल्यवान मार्गदर्शन दिया।

मुझे विश्वास है कि पहले की तरह यह खंड भी भारीय बैंकों पर सूचना का एक महत्वपूर्ण स्रोत होगा।

दीपक मोहंती
कार्यपालक निदेशक

दिसंबर 10, 2008